दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

स्नातक (हिंदी)
वार्षिक परीक्षा
व्यक्तिगत परीक्षार्थियों के लिए

हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा तथा पत्रकारिता विभाग
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

पाठ्यक्रम

स्नातक प्रथम वर्ष — परीक्षा वर्ष 2012

प्रथम प्रश्न पत्र – निबन्ध, नाटक तथा नवीन गद्य विधाएँ — कुल अंक 100

प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड होगें

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – (1) नाटक – ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद
(2) निबन्ध – साहित्य के दृष्टिकोण
सम्पादक – प्रो. चित्तरंजन मिश्र
– डॉ. दीपक प्रकाश त्यागी
(3) एकांकी – रंगसप्तक – स. प्रो. पूर्णिमा सत्यदेव, प्रो. रामदरश राय

दुत पाठ – लघु गद्य विधाएं – सं. गद्य विविधा – सं. डॉ. कमलेश कुमार गुप्त,
– डॉ. प्रेमशीला शुक्ल

नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएंगें।

द्वितीय प्रश्न पत्र – आधुनिक काव्य — कुल अंक 100

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – काव्य–शिखर – सं. प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त, प्रो. गणेश प्रसाद पाण्डेय
दुत पाठ – काव्य किसलय – सं. प्रो. मंजु त्रिपाठी, डॉ. प्रभा सिंह

नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएंगें।

स्नातक द्वितीय वर्ष — परीक्षा वर्ष 2013

प्रथम प्रश्न पत्र – हिन्दी कथा साहित्य — कुल अंक 100

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – उपन्यास – कर्मभूमि (प्रेमचन्द)
मानस का हंस (अमृतलाल नागर) – संक्षिप्त संस्करण
कथास्वर – सं. प्रो. सुरेन्द्र दुबे, प्रो. अनिल कुमार राय

दुत पाठ – सात कहानियां – सं. डॉ. विमलेश मिश्र, डॉ. रामनरेश दुबे

नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न द्रुतपाठ से पूछे जाएंगें।

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास और निबन्ध लेखन – कुल अंक 100

(क) 01 निबन्ध = 1 x 30 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (इतिहास से) = 3 x 20 = 60
(ग) 02 टिप्पणी (इतिहास से) = 2 x 5 = 10

नोट – निबन्ध साहित्यिक विषय से सम्बन्धित होगें। निबन्ध और टिप्पणी से सम्बन्धित प्रश्न अनिवार्य होगें।

स्नातक तृतीय वर्ष परीक्षा वर्ष 2014

प्रथम प्रश्न पत्र – मध्ययुगीन कविता – कुल अंक 100

(क) 03 व्याख्या = 10 x 3 = 30
(ख) 03 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न = 15 x 3 = 45 (लगभग 600 शब्दों में)
(ग) 03 लघु उत्तरीय प्रश्न = 05 x 3 = 25 (लगभग 10 शब्दों में)

मूल पाठ – मध्यकालीन काव्य, सं. डॉ. प्रेमव्रत तिवारी, डॉ. रामनरेश मिश्र

दुत पाठ – मध्यकालीन काव्य विविधा सं. – प्रो. जनार्दन
– डॉ. मानवेन्द्र मिश्र

नोट – व्याख्या एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्न मूल पाठ से तथा लघु उत्तरीय प्रश्न दुतपाठ से पूछे जाएंगें।

द्वितीय प्रश्न पत्र – साहित्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना – कुल अंक 100

इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होगें। अंक विभाजन इस प्रकार है–
(क) भारतीय काव्य शास्त्र = 2 x 20 = 40
(ख) पाश्चात्य काव्य शास्त्र = 2 x 20 = 40
(ग) हिन्दी आलोचना = 1 x 20 = 20

पाठ्यक्रम–

(क) भारतीय काव्यशास्त्र – काव्य का स्वरूप; प्रयोजन एवं भेद; रस–स्वरूप, अवयव, भेद; अलंकार का स्वरूप, महत्व; काव्य–गुण; काव्य दोष–शब्द दोष (क्लिष्टत्व, च्युत संस्कृति), पद दोष–(न्यून पदत्व, अधिक पदत्व), अर्थ दोष, (संदिग्धत्व, दुष्क्रमत्व, दूरान्वय), रस दोष; शब्द शक्तियाँ।

(ख) पाश्चायत्य काव्यशास्त्र– अनुकृति सिद्धान्त, शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, रूपवाद, नयी समीक्षा, कल्पना, बिम्ब, प्रतीक, मिथक, फैंटेसी।

(ग) हिन्दी आलोचना – आलोचना का स्वरूप और परिभाषा, आलोचक के गुण, आलोचना की पद्धतियाँ, हिन्दी आलोचना का विकास, प्रमुख आलोचना–आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह

तृतीय प्रश्न पत्र – हिन्दी भाषा, देवनागरी लिपि एवं प्रयोजनमूलक हिन्दी– कुल अंक 100

इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड होगें। अंक विभाजन इस प्रकार है–
(क) हिन्दी भाषा = 2 x 20 = 40
(ख) देवनागरी लिपि = 1 x 20 = 20
(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी = 2 x 20 = 20

(क) हिन्दी भाषा – हिन्दी का उद्भव और विकास – हिन्दी शब्द की व्युत्पत्ति, उसका अर्थ विकास, हिन्दी भाषा का विकास, भाषा और बोली – हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ, हिन्दी के साहित्यिक रूप, हिन्दी शब्द समूह और उसके मूल स्रोत।

हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, हिन्दी भाषा की सामाजिक और सांस्कृतिक भूमिका।

(ख) **देवनागरी लिपि** – नामकरण, उद्‌भव और विकास, वैज्ञानिकता, त्रुटियाँ और सुधार के प्रयत्न।

(ग) **प्रयोजनमूलक हिन्दी** – प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय।

पत्राचार – कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र और व्यावहारिक पत्र।

पत्रकारिता – पत्रकारिता का स्वरूप और वर्तमान परिदृश्य, समाचार लेखन और शीर्षकीकरण।

प्रमुख जनसंचार माध्यम – प्रेस, रेडिया, टी.वी. एवं फिल्म का संक्षिप्त परिचय एवं जनसंचार में इनकी भूमिका।

अनुवाद – स्वरूप एवं प्रक्रिया, कार्यालयी अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद।